श्री लालजी भाई : अध्यक्ष जी, मावलंकर साहब ने जो प्रश्न पूछा था उससे संबंधित जवाब नहीं आया है कि यह कार्यवाही कब तक चलती रहेगी ।

दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि आपात-कालीन स्थिति के दौरान जो नियुक्तियां की गयी थी उनमें से किन किन लोगों के ऊपर मुकद्दमा चल रहा है ? मैं यह नहीं पूछ रहा हूं कि किस प्रकार का मुकद्दमा लोगों पर चल रहा है बल्कि यह पूछ रहा हूं कि किन किन लोगों पर और कितने लोगों पर चल रहा है । यह मुकद्दमा कब तक चलेगा और कब तक इसका फैसला हो जाएगा ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : मान्यवर, मैं विनम्रता से कह रहा हूं कि यह नहीं कहा जा सकता कि यह कब तक मुकद्दमा चलेगा । इस बारे में यह भी सोचना होगा कि कितनी शिकायतें है और उनकी जांच होनी है । माननीय प्रधान मंत्री जी इस सब को देख रहे है ।

श्री लालजी भाई : कितने व्यक्तियों पर मुकद्दमा चल रहा है, ये आंकड़े आपने नहीं बताये है ।

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : इसके लिये मुझे नोटिस चाहिये ।

श्री रूपनाथ सिंह यादव : मैं शिक्षा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या यह सही नहीं है कि किसी भी विश्वविद्यालय में हरिजनों और अन्य पिछड़े वर्गों का जो कोटा है, वह पूरा नहीं हुआ है ? यदि यह सही है तो क्या सरकार यह आश्वासन देगी कि वर्षों से इन वर्गों के साथ जो अन्याय होता रहा है, अब जनता पार्टी सरकार के जमाने में यह अन्याय न हो ? इसके लिए क्या सरकार कोई गाइडलाइन विश्वविद्यालयों को देगी ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : सवाल तो अच्छा है, लेकिन इसके लिए मुझे नोटिस दें तो मैं इसका जवाब दे सकता हूं ।

संस्कृत कालिजों को अनुदान

*271. **श्री यमुना प्रसाद शास्त्री :** क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यह शर्त रखी है कि केवल उन्हीं संस्कृत कालेजों को अनुदान दिये जायेंगे जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम के क्षेत्राधिकार में लाये गये है और यदि हां, तो क्या इस बारे में संस्कृत कालिजों द्वारा अनुरोध करने के उपरान्त भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग संस्कृत कालेजों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम के क्षेत्राधिकार में नहीं लाता है और इसी कारण संस्कृत कालेज विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान प्राप्त नहीं कर सकते है , और

(ख) क्या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राज्य सरकारों द्वारा चलाये जा रहे संस्कृत कालेजों को भवन तथा होस्टल के निर्माण के लिए तथा ग्रंथालय और फर्नीचर के लिए उसी प्रकार से अनुदान देने के प्रश्न पर विचार कर रहा है जिस प्रकार कि वह राज्य सरकारों द्वारा चलाये जा रहे अन्य कला, विज्ञान और कृषि कालेजों आदि को देता रहा है ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका देवी बड़कटकी) : (क) और (ख). विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अनुदान देने के मामले में संस्कृत कालेजों के लिए विशेष रूप से कोई शर्तें निर्धारित नहीं की हैं। कोई भी कालेज, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम के क्षेत्राधिकार में आने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित सामान्य शर्तों को पूरा करता है, वह ऐसी योजनाओं के अन्तर्गत, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर तैयार की जायें, अनुदानों के लिए पात्र होगा।

श्री यमुना प्रसाद शास्त्री : श्रीमन् इस प्रश्न का जो उत्तर माननीय मंत्री जी ने दिया, वह स्पष्ट नहीं है। इसमें उन्होंने एक सिद्धान्त बता दिया है कि जो कोई प्रार्थना करेगा, अधिनियम के अन्तर्गत शर्तों की पूर्ति करेगा वह अनुदान का पात्र होगा। मैं यह जानना चाहता हूं कि संस्कृत विश्वविद्यालयों के अन्तर्गत कितने कालेजों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अनुदान दे रहा है और वे कालेज कौन-कौन से हैं ?

श्रीमन् ऐसे अनेक प्रकरण हैं जब संस्कृत कालेज अनुदान के लिए प्रार्थना करते हैं तो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग कहता है कि पहले आयोग में रजिस्ट्रेशन करवाओ तब हम ग्रांट देंगे। जब वे रजिस्ट्रेशन कराने जाते हैं तो वह कहता है कि हम रजिस्ट्रेशन नहीं करते हैं। जब अनुदान आयोग द्वारा रजिस्ट्रेशन कराने पर मिलता है और वे रजिस्ट्रेशन करते नहीं तो इस तरह से कोई कालेज अनुदान प्राप्त नहीं कर पाता है।

देश के अन्दर संस्कृत के कितने कालेज ऐसे हैं और कौन कौन से हैं जिनको आपके द्वारा सहायता दी जा रही है ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : आखिरी सवाल जो माननीय सदस्य ने किया है उसका जवाब मैं पहले दे रहा हूं।

1. M. R. Government Sanskrit College, Vizianagram (affiliated to Andhra University)

2. Sanskrit College, Calcutta (affiliated to Calcutta University)

3. Government Sanskrit College, Pattambi (affiliated to Calicut University)

4. Government Sanskrit Degree College, Indore (affiliated to Indore University)

5. Government Sanskrit College, Tripunithura (affiliated to Kerala University)

6. Sanskrit College, Trivandrum (affiliated to Kerala University)

7. Government DSV Sanskrit College, Raipur (affiliated to Ravi Shankar University)

8. LPT Sanskrit Degree College, Dhana (affiliated to Sagar University)

इन विश्वविद्यालयों को जो 2(एफ) यू जी सी एक्ट की धारा है इसमें मान्यता दी गई है। इनको भी कुछ अनुदान मिल रहा है। इसके अलावा दो संस्कृत विश्वविद्यालय हैं :

1. K. S. Dharbanga Sanskrit University, Dharbanga.

2. Sampoornanand Sanskrit Viswavidayala, Varanasi

उनको भी अनुदान दिया है। कितने रुपए दिये गये हैं इसको बताया जाए तो वक्त लग जाएगा इसलिए मैं नहीं बता रहा हूं।

श्री यमुना प्रसाद शास्त्री : मंत्री महोदय के उत्तर से स्पष्ट हो गया है कि पूरे देश में कुल मिलाकर आठ महाविद्यालय ऐसे होते हैं जिन के नाम उन्होंने लिये हैं जिनको

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यह सहायता दे रहा है। यह संख्या बहुत ही नगण्य है जबकि देश में सैंकड़ों संस्कृत कालिज हैं और वे सब के सब सहायता प्राप्त करने के लिए प्रार्थनापत्र दे चुके हैं लेकिन उनको सहायता नहीं मिल रही है। इसलिए मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में कोई संस्कृत विशेषज्ञ को भी सदस्य के रूप में रखा जाएगा ताकि वह संस्कृत विद्यालयों के हितों की रक्षा कर सके ? कारण यह है कि संस्कृत की उपेक्षा इसीलिए हो रही है कि उसमें संस्कृत में रूचि रखने वाला कोई व्यक्ति नहीं है। यहां तक कि यू जी सी पै स्केल्ज जो आठ सौ साइंस कालेजों के लैक्चरारों और प्रोफैसरों को मिलते हैं वह भी संस्कृत कालेजों के लैक्चरारों को नहीं मिलते हैं। यू जी सी ने दूसरे कालेजों के लिए यह हिदायत दे रखी है कि अगर राज्य सरकारें यू जी सी के पै सकेलज दें तो अस्सी प्रतिशत भारत सरकार या यू जी सी उसका देगी लेकिन संस्कृत कालेजों के लिए ऐसी कोई हिदायत नहीं है। उनके जो प्रिंसिपल हैं या प्राचार्य हैं उनको बहुत ही कम वेतन मिलता है। उनके लिए यू जी सी के स्केल दिये जाने के बारे में कोई हिदायतें नहीं दी गई हैं। इन दोनों बातों को देखते हुए मंत्री महोदय क्या विचार करेंगे कि यू जी सी में कोई संस्कृत का विशेषज्ञ या संस्कृत में रुचि रखने वाला विद्वान भी रखा जाए ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : मैंने पहले कहा है कि संस्कृत कालेजों के लिए कोई अलहदा शर्त नहीं है। जो विश्व विद्यालय अनुदान आयोग की शर्तें पूरी कर रहे हैं उनको अनुदान मिल रहा है। दो संस्कृत विद्यालयों का उल्लेख मैंने किया है। उन से आयोग ने फहरिस्त मांगी है। एक ने भेज दी है के एस दरभन्गा संस्कृत यूनिवर्सिटी ने। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी ने अभी नहीं भेजी है। सब इनफरमेशन आ जाए तो आयोग कोशिश करेगा शर्तें पूरी होने पर अनुदान देने की।

डा० कर्ण सिंह : देववाणी संस्कृत भारतीय संस्कृति का एक प्रमुख प्रतीक रही है, आधार रही है। मंत्री, महोदय के उत्तर से स्पष्ट हो गया है कि संस्कृत की ओर जो ध्यान देना चाहिए केन्द्रीय सरकार नहीं दे रही है। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जो अभी वर्ष समाप्त हुआ है 1977–78 इस में कितनी धनराशि संस्कृत के लिए केन्द्रीय सरकार ने संस्कृत कालेजों को दी है और जो नया साल आरम्भ हो रहा है इस में कितनी धनराशि संस्कृत के लिए रखी गई है और क्या इस धनराशि में वृद्धि करने के विषय में मंत्री महोदय कोई आश्वासन सदन को देंगे ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : अभी कुछ तय नहीं हुआ है। इस पर चर्चा चल रही है।

डा० कर्ण सिंह : हजारों वर्षों से चल रही है।

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : आपके पीछे पीछे आ रहे हैं।

SHRI VINODBHAI B. SETH: Sanskrit is our ancient language. All our ancient literature, scriptures and vedas are written in that language. Is the Government thinking of making Sanskrit language a compulsory subject upto at least 12th Class? As Dr. Karan Singh rightly pointed out, no attention has been paid by the Government to Sanskrit language. In the city of Jamnagar our students play *Antakhari* in Sanskrit language. But it is patronised by private institutions. Will the Government think over the matter and make Sanskrit compulsory at least upto 12th Class?

DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER: I have high regard for Sanskrit. I also have been a Sanskrit student. We have already followed the three-language policy. Our students in the schools have to study three languages. On the top of that, if one more language is made com-

pulsory, then that language will become very unpopular and it will not help the cause of Sanskrit.

श्री बी० पी० मडल: क्या सरकार को मालूम है कि संस्कृत कालेजों में हरिजन छात्रों की संख्या और हरिजन टीचर्स की संख्या नगण्य है इसलिए सरकारी अनुदान देने के पहले क्या सरकार इन संस्कृत कालेजों को डायरेक्शन देगी कि टीचर्स में भी हरिजनों की बहाली करे और हरिजन छात्रों को भी उसमें भर्ती होने की सुविधा दें और तब अनुदान दिया जाये। क्या ऐसा डायरेक्शन देना चाहते हैं? यदि नहीं, तो क्यों ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : हरिजनों के बारे में जो अब निर्देश है वह तो है ही। इसके अलावा और कुछ हो सकता है या नहीं इसकी हम जांच करायेंगे।

श्री विजय कुमार मलहोत्रा : अध्यक्ष जी, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो नीति चल रही है उसके मुताबिक सैकडो संस्कृत कालेज हिन्दुस्तान मे बन्द हो रहे है और आजादी के पहले जो उनकी हालत थी उससे भी बहुत ज्यादा खराब हालत आज हो गई है। केवल यह कह देने से कि पुरानी सरकार ने संस्कृत की उपेक्षा की है वही नीति चल रही है, यह संतोषजनक नही है। क्या मत्री जो पिछली सरकार द्वारा जो सस्कृत की उपेक्षा हुई है उस नीति में परिवर्तन करके सस्कृत जो इस देश की सबसे बडी भाषा है और हमारी संस्कृति से जुडी हुई हैं उसके लिए जनता सरकार कुछ अपनी नीति मे परिवर्तन ला रही है कि नही, यह बतायें ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : मैं माननीय सदस्य को यह आश्वासन देना चाहता हूं कि यह सरकार संस्कृत के विरोध मे नही है। संस्कृत के प्रसार और विकास के लिये हम कोशिश कर रहे है। केन्द्रीय संस्कृत संस्थान भी इस दिशा में काम कर रहा है। 5 संस्कृत विद्यापीठ थे, इसके साथ साथ छटा संस्कृत विद्यापीठ बन चुका है सरकार की ओर से। केरल में जो संस्कृत विद्यापीठ हैं वह भी सरकार ने ले लिया है।

Damage to Farakka Barrage in 1975

*272. DR. BALDEV PRAKASH: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether serious damage was caused to the Farakka Barrage in early 1975;

(b) whether it is a fact that damage was caused by the down stream cut-off consisting of sheet piles;

(c) whether it is also a fact that the chief engineers working on the Barrage raised their voice and wanted the matter to be looked into by a committee of experts;

(d) whether help of Navy was sought to repair the damage; and

(e) whether no action was taken against the contractor responsible for the construction and his claims are being considered sympathetically?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the House

Statement

(a) and (b). No damage was caused to Farakka Barrage in 1975. However, after the monsoon of 1974, river surveys in the immediate vicinity of the Farakka Barrage indicated scour on the downstream side of the Barrage in bays No. 14 to 20 including gap of ½" to 4" between two piles on the downstream in bay No. 18. Such problems of scour in the vicinity of barrages founded on sandy soils are normal in case of major rivers.